संत थॉमस स्कूल धुर्वा, राँची

सत्र 2020 - 21

कक्षा - 7 **(विषय- हिंदी)** **पुस्तक- मंथन**

<u>पाठ- 2 भोलाराम का जीव</u>

शब्दार्थ :-

बदहवास- हाँफता हुआ, चकमा देना - धोखा देना, तरंग - लहर, अभ्यस्त - निपुण, नगण्य - तुच्छ, आयकर - आय पर लगने वाला कर,क्रंदन - विलाप

अभ्यास

प्रश्न1 - प्रश्नों के उत्तर दीजिए (मौखिक) :-

क) धर्मराज लाखों वर्षों से लोगों को कर्म और सिफारिश के आधार पर स्वर्ग या नरक में निवास स्थान बाँटते आ रहे थे।

ख) चित्रगुप्त रजिस्टर पर रजिस्टर देखे जा रहे थे।

ग) भोलाराम के जीव ने पाँच दिन पहले देह त्यागी थी।

घ) यमदूत काफी दिनों से यमलोक में इसलिए उपस्थित नहीं था क्योंकि भोलाराम का जीव उसे चकमा देकर भाग गया था।

प्रश्न 2- लघूत्तरीय प्रश्न (लिखित):-

क) यमराज लाखों वर्षों से निवास स्थान बढ़ता आ रहा था।

ख) धर्मराज के सामने चित्रगुप्त बैठा, रजिस्टर पर रजिस्टर देख रहा था।

ग) यमलोक की यात्रा के लिए यमदूत वायु-तरंग पर सवार हुआ।

घ) चित्रगुप्त ने रजिस्टर देख कर भोलाराम का नाम बताया।

ङ) बड़े साहब के कमरे के बाहर चपरासी ऊँघ रहा था।

प्रश्न 3- दीर्घत्तरीय प्रश्न:-

क) भोलाराम का जीव पाँच दिन पहले मर चुका था। जिसे यमलोक लाने के लिए चित्रगुप्त द्वारा यमदूत भेजा गया था। लेकिन वह यमदूत काफी दिनों तक उसकी आत्मा को लेकर यमलोक वापस नहीं लौटा था। इतनी बड़ी गलती से चित्रगुप्त हैरान-परेशान थे।

ख) जब जीव ने भोलाराम का देह त्यागा, तब यमदूत ने उसे पकड़ा और यमलोक की यात्रा आरंभ की। नगर के बाहर जैसे ही यमदूत भोलाराम के जीव को लेकर तीव्र वायु-तरंग पर सवार हुआ, भोलाराम का जीव यमदूत को चकमा देकर भाग गया।

ग) "तुम्हारी भी रिटायर होने की उम्र आ गई है।" धर्मराज ने चित्रगुप्त से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि चित्रगुप्त ने धर्मराज को बताया कि पृथ्वी पर लोगों को ठगने का काम आम आदमी से लेकर नेता, राजनीतिक दलों के लोग कर रहे हैं। जिस प्रकार लोग अपने दोस्तों के लिए कुछ चीज भेजते हैं और रेलवे वाले उसे रास्ते में ही उड़ा लेते हैं उसी प्रकार कहीं हमारे साथ भी तो धोखा नहीं हुआ है। लेकिन धर्मराज को पता था की पृथ्वी में रहने वाले लोगों में उन्हें धोखा देने की शक्ति नहीं है।

घ) सारा ब्रह्मांड जान डालने के बाद भी यमदूत को भोलाराम का जीव नहीं मिला। वह भोलाराम के जीव को नहीं ढूंढ पा रहा था। इसी कार्य की पूर्ति के लिए नारद जी पृथ्वी पर गए। यदि भोलाराम का जीव नहीं मिलता पाप और पुण्य का भेद ही मिट जाता।

प्रश्न 3 - किसने, किससे कहा ?

क) यमराज ने चित्रगुप्त से कहा।
ख) नारद ने यमराज से कहा ।
ग) भोलाराम की पत्नी ने नारद से कहा।
घ) सरकारी दफ्तर के बाबू ने नारद सेकहा।